



भारतीय आईटी कंपनी टीसीएस द्वारा शेयर पुनर्खरीद की घोषणा

सन्दर्भ :

अमेरिकी सॉफ्टवेयर सेवा प्रदाता कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस की ओर से अपने शेयरधारकों को पुनर्खरीद और लाभांश के जरिये 3.4 अरब डॉलर देने की घोषणा के महज एक हफ्ते बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) शेयर पुनर्खरीद की ओर अग्रसर हो गई है। टीसीएस ने 16 फरवरी 2017 को घोषणा की है, कि कंपनी के नदिशक मंडल की सोमवार को होने वाली बैठक में शेयर पुनर्खरीद पर वचिार कथिा जाएगा।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस)

- वदिति हो कऱ टीसीएस आईटी सेवा, परामर्श तथा वऱवसाय समाधान उपलब्ध कराने वाला एक संगठन है।
- टीसीएस, आईटी, बीपीओ, इंफ़रास्ट्रक्चर, इंजीनियरिंग अश्योरेंस सेवाओं की परामर्श आधारित एकीकृत पोर्टफोलियो पेश करता है।
- इसे ग्लोबल नेटवर्क डेलिवेरी मॉडल टीएम के जरिए प्रदान कथिा जाता है, जसिे सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में एक उत्कृषटता मापदंड के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- टीसीएस, जो कऱभारत के सबसे वशिाल औद्योगिकि घराने टाटा समूह का एक हसििसा है, इसके श्रेषठ प्रशकृषति परामर्शदाताओं की संख्या 3,71,000 से भी अधकऱ है और वे दुनयिा के 45 देशों में वसितरति हैं।
- उल्लेखनीय है, कऱकंपनी का समेकति राजसव 31 मार्च, 2016 को (वतित वरष 2015-16 के लऱए) 16.5 बलियिन यूएस डॉलर रहा।
- धयातव्य है, कऱभारत में नैशनल स्टॉक एक्सचेंज व बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर टीसीएस कंपनी सूचीबद्ध है।

परमुख बदिु :

- स्टॉक एक्सचेंज को दी सूचना में टीसीएस ने जानकारी दी है कऱकंपनी के नदिशक 20 फरवरी को होने वाली बैठक में शेयर पुनर्खरीद प्रस्ताव पर वचिार करेंगे।
- वदिति हो कऱ यदऱ पुनर्खरीद को मंजूरी मलितऱ है तो 2004 में कंपनी के सूचीबद्ध होने के बाद पहली बार वह शेयरों की पुनर्खरीद करेगी।
- बाजार ने इस खबर के प्रतऱ सिकारात्मक प्रतकिरयिा दी है और इस बात की संभावना जताई जा रही है कऱ अन्य आईटी कंपनयिाँ जैसे इन्फोससि और वपिरो इत्यादऱ भी पुनर्खरीद कर सकतऱ हैं।
- भारतीय आईटी कंपनयिाँ मुखयतः टीसीएस और इन्फोससि के पास भारी मात्रा में नकदी है, जसिे लेकर बड़े और छोटे नविशक अकसर सवाल उठाते रहे हैं कऱकंपनी अतरिकित नकदी को शेयरधारकों को क्योँ नही वापस कर रही है।
- टीसीएस के साथ ही इन्फोससि, वपिरो, टेक महदिरा और एचसीएल टेक्नोलॉजीस के शेयर 1.4 से 3 फीसदी बद्धत पर बंद हुए।
- दरअसल, अधकऱश कम्पनयिाँ सालाना आधार पर इसकी चरचा करतऱ हैं कऱकंपनी की अरजति नकदी का कसि तरह से बेहतर उपयोग कथिा जाए। शेयर पुनर्खरीद और वशिष लाभांश जैसे वकिल्प भी खुले हुए हैं।
- आंकडों से पता चलता है कऱ इन्फोससि, एचसीएल टेक्नोलॉजीस और टेक महदिरा ने पछिले दो वरषों में 1.1 अरब डॉलर मूल्य के 11 अधगिरहण कऱए हैं।
- वपिरो ने दो साल में 1.2 अरब डॉलर के 5 अधगिरहण कऱए जबकऱ टीसीएस ने एक भी अधगिरहण नही कथिा।
- वपिरो पाँच बड़ी आईटी कंपनयिाँ में पहली कंपनी है, जसिने पछिले साल 2,500 करोड रुपये से शेयरों की पुनर्खरीद की थी और 31 दसिंबर 2016 तक उसके पास 32,000 करोड रुपये की नकदी और बैंक में जमा/नविश थे।
- वपिरो ने पछिले साल 2,500 करोड रुपये की शेयर पुनर्खरीद की थी और अब भी यह 40 से 45 फीसदी लाभांश वतऱरण अनुपात की नीतऱ पर कायम हैं।
- खुद टीसीएस के पास दसिंबर के अंत तक 43,169 करोड रुपये की नकदी और नविश पडा था।
- टीसीएस के पुनर्खरीद प्रस्ताव का ब्योरा सोमवार को आणा लेकनि वशिलेषकों का अनुमान है कऱकंपनी करीब 8,400 करोड रुपये की पुनर्खरीद कर सकतऱ है जबकऱ उसके पास करीब 38,000 करोड रुपये की नकदी है।
- एचडीएफसी का मानना है कऱ पुनर्खरीद के जरयि पूंजी के आवंटन की अचछी गुंजाइश है क्योँकऱ शेयर का मूलयांकन भी ऐतहिसकिकि नचिले स्तर पर है।
- आमतौर पर लाभांश भुगतान की तुलना में पुनर्खरीद को तरजीह दी जाती रही है क्योँकऱ इसमें कर की कम देनदारी बनतऱ है।
- लाभांश वतऱरण की प्रभावी कर दर 20 फीसदी है लेकनि साल में 10 लाख रुपये से अधकऱ के लाभांश आय पर अतरिकित 10 फीसदी का कर देना पडता है।
- इन्फोससि कंपनी के पूंजी आवंटन की एक स्पष्ट नीतऱ है, जसिकी नयिमति तौर पर समीकषा की जाती है। पछिले तीन साल के दौरान इसने दो बार लाभांश भुगतान में इजाफा कथिा है।
- बोर्ड और प्रबंधन नरितर नीतऱकी समीकषा करते हैं और सही समय पर उचति नरिणय लयिा जाएगा।

नष्ककष :

कंपनयों की ओर से शेयर पुनरुखरीद की पहल ऐसे समय में की जा रही है जब कारोबार वृद्धकी रफतार धीमी है । दुनयिा के सबसे बड़े आईटी बाजार अमेरिका में ग्राहकों की ओर से भारतीय आईटी कंपनयों को चुनौतयों का सामना करना पड़ रहा है, जसिसे इनकी बकिरी पर भी दबाव बना हुआ है । अमेरकी राषट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतयों का भी असर भारतीय आईटी कंपनयों पर पडने की आशंका है । कंपनी ने यह घोषणा ऐसे समय की है जब भारतीय सूचना प्रौद्योगकी कंपनयों से उनके पास जमा भारी नकद राशा के उपयोग को लेकर उनके शेयरधारक सवाल उठा रहे थे । घरेलू आईटी कंपनयों भारी-भरकम अधगिरहण पर भी सतर्कता बरत रही हैं और क्लाउड एवं डजिटिल जैसी नई तकनीकों को अपनाने में थोड़ी सुस्ती दखिा रही हैं । इससे भी उनके वकिसा पर असर पड़ा है ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/tcs-announces-buyback>

